

## भारत में घरेलू बचत का विकास

### प्रलम्ब के लिये:

[भारतीय रजिस्ट्रार बैंक](#), [सकल घरेलू उत्पाद](#), [मौद्रिक नीति](#), [सार्वजनिक भविय नधि](#), [घरेलू बचत](#), [सुकन्या समृद्धि खाता योजना](#)

### मेन्स के लिये:

भारत में घरेलू बचत, भारत का आर्थिक विकास, बैंकिंग क्षेत्र

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय उद्योग परसिंध \(Confederation of Indian Industry - CII\)](#) के वित्तपोषण 3.0 शिखर सम्मेलन में [भारतीय रजिस्ट्रार बैंक \(RBI\)](#) के डप्टी गवरनर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि [भारतीय परिवार महामारी](#) के बाद वित्तीय बचत का पुनर्रमाण कर रहे हैं, जिसका अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

**नोट:** CII एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, उद्योगों को नेतृत्व प्रदान करने वाला और उद्योग-प्रबंधित संस्था है जो भारत के विकास, उद्योग, सरकार एवं नागरिक समाज के बीच साझेदारी के लिये अनुकूल वातावरण बनाने का कार्य करता है।

### घरेलू बचत की वर्तमान प्रवृत्तियाँ हैं?

- **घरेलू बचत की वसूली:** महामारी युग की बचत समाप्त होने और **बचत के बजाय आवास जैसी भौतिक परसिंपत्तियों की ओर रुख होने** के कारण **परिवारों की नविल वित्तीय बचत वर्ष 2020-21 के स्तर से लगभग आधी हो गई।**
  - **कोवडि महामारी** के दौरान आय में गिरावट के बाद अब परिवारों ने बढ़ती आय के कारण अपनी वित्तीय बचत को बहाल करना शुरू कर दिया है।
  - वित्तीय परसिंपत्तियों **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** (2011-17) के 10.6% से बढ़कर 11.5% (महामारी वर्ष को छोड़कर 2017-23) हो गई हैं।
  - महामारी के बाद के वर्षों में भौतिक बचत **GDP के 12%** से अधिक हो गई है और इसमें वृद्धि जारी रह सकती है। हालाँकि यह अभी भी वर्ष 2010-11 में दर्ज **GDP के 16%** से कम है।
- **भविय की संभावनाएँ:** जैसे-जैसे परिवारों की आय में वृद्धि जारी रहेगी, उम्मीद है कि वित्तीय परसिंपत्तियों 2000 के दशक के आरंभिक स्तर पर पुनः स्थापित हो जाएँगी, जो संभवतः **सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 15% तक पहुँच जाएँगी।**
- **अर्थव्यवस्था पर घरेलू बचत का प्रभाव:**
  - **ब्याज दरें:** घरेलू बचत व्यवहार में परिवर्तन ब्याज दरों सहित मौद्रिक नीति को प्रभावित कर सकते हैं। कम वित्तीय बचत, बचत को प्रोत्साहित करने हेतु **उच्च ब्याज दरों की मांग को बढ़ावा दे सकती है** और इसके विपरीत स्थिति भी हो सकती है।
  - **बढ़ी हुई उधार क्षमता:** जैसे-जैसे परिवार वित्तीय रूप से समृद्ध होते जाते हैं, वे **अर्थव्यवस्था में प्राथमिक शुद्ध ऋणदाता बनने** की संभावना रखते हैं, जो अन्य क्षेत्रों के लिये महत्वपूर्ण वित्तपोषण प्रदान करते हैं, विशेषकर जब कॉर्पोरेट उधार की ज़रूरतें बढ़ती हैं।
  - **कॉर्पोरेट क्षेत्र उधार:** कॉर्पोरेट क्षेत्र ने शुद्ध उधारी में कमी की है। हालाँकि **पूँजीगत व्यय (कैपेक्स)** में प्रत्याशति वृद्धि से उधार की ज़रूरतें बढ़ सकती हैं।
    - कॉर्पोरेट उधार में अनुमानित वृद्धि के साथ **परिवारों से वित्तपोषण अंतर को भरने की उम्मीद है**, जिससे आर्थिक विकास और निवेश को समर्थन मलगा।
  - **आर्थिक स्थिरता:** उच्च भौतिक बचत निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाकर और **संभावित रूप से दीर्घकालिक धन में वृद्धि करके** आर्थिक स्थिरता में योगदान देती है, हालाँकि यह तरलता को भी सीमित कर सकती है।

- **बाहरी वित्तपोषण के लिए नहितार्थ:** जैसे-जैसे घरेलू बचत बढ़ती है, बाहरी वित्तपोषण की आवश्यकता कम हो सकती है, हालांकि बाहरी ऋण स्थिरता प्राथमिकता बनी रहेगी।
  - वित्तीय संसाधनों को अवशोषित करने की अर्थव्यवस्था की क्षमता वकिसति होने पर बाहरी वित्तपोषण संरचना में परिवर्तन हो सकते हैं।
  - सार्वजनिक क्षेत्र की शुद्ध बचत में कमी आई है, लेकिन यह शुद्ध उधारकर्ता बना हुआ है, जो नरितर राजकोषीय नीति समर्थन की आवश्यकता को दर्शाता है।

## घरेलू बचत क्या है?

- **परिचय:** भारत में घरेलू (HH) बचत, शुद्ध वित्तीय बचत (NFS) और भौतिक बचत, दो भागों में विभाजित है।
  - **सकल वित्तीय बचत (GFS) से वित्तीय देनदारियों (जैसे वार्षिक उधार के रूप में जाना जाता है) को घटाने के बाद HH NFS** की गणना की जाती है।
    - **GFS में सात प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं:** मुद्राएँ; जमा (बैंक और गैर-बैंक); बीमा; भविय नधि एवं पेंशन नधि (P&PF), जिसमें सार्वजनिक भविय नधि (PPF) शामिल है; शेयर व डबिचर (S&D); सरकार पर दावे (छोटी बचत); तथा अन्य।
  - HH भौतिक बचत में मुख्य रूप से **आवासीय अचल संपत्ति** (लगभग दो-तर्हिई हस्सिा) और मशीनरी एवं उपकरण (HH क्षेत्र के भीतर उत्पादकों के स्वामित्व में) शामिल हैं।
- **घरेलू बचत और GDP अनुपात:** यह सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में शुद्ध वित्तीय बचत, सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में भौतिक बचत तथा सोना तथा आभूषण का योग है।
- **घरेलू बचत की प्रवृत्ति:** **सटॉक** और **डबिचर** जैसी जोखमिपूर्ण वित्तीय परसिंपत्तियों में निवेश करने की प्रवृत्ति बढ रही है।
  - बचत का बढता अनुपात वित्तीय साधनों के बजाय भौतिक परसिंपत्तियों (अचल संपत्ति) में आवंटित किया जा रहा है।
- **महामारी और घरेलू बचत पर प्रभाव:** **कोवडि-19 महामारी के दौरान, सीमति खर्च के अवसरों** के कारण परिवारों ने अधिक बचत की। इसके परिणामस्वरूप उच्च वित्तीय बचत दर (2020-21 में 23.3 लाख करोड रुपए) हुई।
  - हालाँकि जैसे-जैसे प्रतबिध हटाए गए, खर्च बढता गया, जिससे बचत कम होती गई। महामारी के बाद कई परिवारों ने **अपनिब्रचत को वित्तीय परसिंपत्तियों से हटाकर रयिल एस्टेट और सोने जैसी भौतिक परसिंपत्तियों** में स्थानांतरित कर दिया है। इस बदलाव ने शुद्ध वित्तीय बचत को कम कर दिया है।
  - परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत वर्ष 2022-23 में घटकर 14.2 लाख करोड रुपए रह गई, जो वर्ष 2021-22 में 17.1 लाख करोड रुपए थी। यह वर्ष 2020-21 के 23.3 लाख करोड रुपए से काफी कम है।
  - रयिल एस्टेट और सोने में बचत बढी है, भौतिक संपत्ति बचत वर्ष 2022-23 में 34.8 लाख करोड रुपए और सोने की बचत 63,397 करोड रुपए तक पहुँच गई है।
  - कई परिवार घर खरीदने के लिये अपनी वित्तीय क्षमता से अधिक धन खर्च कर देते हैं, जिसके कारण अकसर उन्हें उच्च समान मासिक कसित (EMI) का भुगतान करना पडता है तथा तरलता कम हो जाती है।
  - स्वास्थ्य देखभाल और शकिषा पर बढते खर्च ने घरेलू बचत को और भी कम कर दिया है।
  - युवा पीढी बचत की तुलना में जीवनशैली और अनुभवों को प्राथमिकता देती है, आसान ऑनलाइन शॉपिंग और उधार वकिल्पों से प्रोत्साहित होकर घरेलू बचत में और गरिावट आई है तथा घरेलू ऋण में वृद्धि हुई है।
- **घरेलू ऋण:** इसे परिवारों (परिवारों की सेवा करने वाली गैर-लाभकारी संस्थाओं सहित) की सभी देनदारियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनके लिये परिवारों को भविय में एक नश्चिति तथिपर ऋणदाताओं को ब्याज या मूलधन का भुगतान करना होता है।

## घरेलू बचत से जुडी प्रमुख पहल

- [सुकन्या समृद्धि खाता योजना](#)
- [वरषिठ नागरिक बचत योजना](#)
- [कसिान वकिस पत्र योजना](#)
- [महिला सममान बचत परमाणपत्र](#)
- [करमचारी भविय नधि \(EPF\)](#)
- [राषटरीय पेंशन प्रणाली \(NPS\)](#)
- [सार्वजनिक भविय नधि \(PPF\) और राषटरीय बचत परमाणपत्र \(NSC\)](#)
- **डाकघर मासिक आय योजना (POMIS):** यह भारत सरकार द्वारा समर्थित एक छोटी बचत योजना है, जो 10 वर्ष से अधिक आयु के भारत के निवासियों को मासिक रूप से एक नश्चिति राश निवेश करने की अनुमति देती है।
  - इसमें 5 वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है और एक वर्ष के बाद पेनल्टी के साथ अवधिपूर्व नकिसी की अनुमति होती है। इस योजना से होने वाली [आय स्रोत पर कर कटौती \(TDS\)](#) के अधीन नहीं है।

□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□:

**प्रश्न.** भारत में घरेलू बचत में बदलती प्रवृत्ति और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये उसके नहितार्थों पर चर्चा कीजिये।

और पढ़ें: [बढते करज से घरेलू बचत पर संकट](#)

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)**

????????

प्रश्न. एन.एस.एस.ओ. के 70वें चक्र द्वारा संचालित “कृषक-कुटुम्बों की स्थिति आकलन सर्वेक्षण” के अनुसार नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. रररस्थरन में गरीमीण कुटुम्बों में कृषकुटुम्बों कर प्रतशित सररररधकि है ।
2. देश के कुल कृषकुटुम्बों में 60% से कुछ अधकि ओ.बी.सी. के हैं ।
3. केरल में 60% से कुछ अधकि कृषकुटुम्बों ने यह सूचना दी कउरुन्होंने अधकितम आय गैर कृषसुरोतों से प्रररप्त की है ।

उपररयुक्त कथनों में से कौन-सर/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2 औ 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: c

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/evolving-household-savings-in-india>

